

**चिक्कस** पुं. (देश.) 1. जौ का आटा 2. उबटन की तरह हल्दी और तेल में मिला हुआ जौ का आटा जो जनेऊ या विवाह के अवसर पर मला जाता है पुं. (देश.) बुलबुल, तोते आदि बैठाए जाने के लिए लोहे, पीतल की छड़ों से बनाया गया अड़्डा।

**चिक्का स्त्री.** (तत्.) 1. सुपारी 2. चूहा 3. हाथी के शरीर का मध्यवर्ती भाग विशेष, मातंग।

**चिक्कार** पुं. (तद्.) चीत्कार।

**चिक्कारा** पुं. (देश.) दे. चिकारा।

**चिक्किण** पुं. (तत्.) दे. चिक्कण।

**चिक्किर** पुं. (देश.) 1. एक प्रकार का चूहा 2. गिलहरी।

**चिक्किद** पुं. (तत्.) 1. नमी, आर्द्रता 2. चाँद, चंद्रमा।

**चिखर** पुं. (देश.) 1. चूने का छिलका 2. चूने की भूसी।

**चिखल्ल** पुं. (तत्.) दलदल, कीचड़।

**चिखुर** पुं. (देश.) गिलहरी, चिखुरा।

**चिखुरन** पुं. (देश.) जुते हुए खेत से चिखुरी या निकाली गई घास, निराने के बाद प्राप्त घास।

**चिखुरना** स.क्रि. (देश.) जुते हुए खेत से घास चुनना, चिखुरना या निकालना।

**चिखुरा** पुं. (देश.) दे. चिखुर।

**चिखुराई स्त्री.** (देश.) चिखुरने का काम या भाव 2. चिखुरने या घास निकालने की मजदूरी।

**चिखौना** पुं. (देश.) 1. चखने की वस्तु 2. चखने या स्वाद लेने की क्रिया।

**चिगना** क्रि.स. (देश.) दे. चिनना।

**चिघाड़** स्त्री. (देश.) दे. चिंघाड़।

**चिघाड़ना** अ.क्रि. (देश.) दे. चिंघाड़ना।

**चिचड़ा** पुं. (तद्.) 1. डेढ़-दो हाथ ऊँचा पौधा, जो दवा के काम में आता है 2. आँगा 3. अपामार्ग

4. अंझाझार 5. लटजीरा (बरसात में अन्य घास-पात के साथ उगने वाला यह पौधा अत्यंत पवित्र गुणकारी तथा औषध के रूप में उपयोगी होता है) 6. किल्ली या किलनी नामक कीड़ा जो पशुओं की चमड़ी के साथ चिपटकर उनका खून (रक्त) पीता है।

**चिचड़ी स्त्री.** (देश.) किलनी या किल्ली नामक लाल रंग का चौपायों, कुत्ते, बिल्लियों तथा पशुओं की खाल से चिपटकर उनका रक्त पीने वाला कीड़ा।

**चिचिंगा** पुं. (तद्.) चंचीड़ा।

**चिचिंड** पुं. (तद्.) चिचिंडा, चिचीड़ा।

**चिचिंडा** पुं. (तद्.) चर्चींडा, एक तरकारी विशेष।

**चिचिनी स्त्री.** (तद्.) इमली का पेड़ या फल।

**चिचियाना** अ.क्रि. (देश.) चिल्लाना, चीखना, हल्ला करना।

**चिचुकना** अ.क्रि. (देश.) चुचुकना।

**चिचोड़ना** अ.क्रि. (देश.) चचोड़ना।

**चिचिचिटिंग** पुं. (देश.) एक विषैला कीड़ा।

**चिच्छक्ति स्त्री.** (तत्.) 1. चित्तशक्ति, परमात्मा, 'चित्' समझी एवं पुकारी जाने वाली अध्यात्म शक्ति।

**चिच्छल** पुं. (तत्.) 1. महाभारत के अनुसार एक देश का नाम 2. चिच्छल देशवासी।

**चिट स्त्री.** (अं./देश.) 1. पुरजा 2. कागज का छोटा टुकड़ा 3. छोटा पत्र 4. एक्का 5. कपड़े आदि का छोटा टुकड़ा।

**चिटकना** अ.क्रि. (देश.) 1. सूखकर जगह-जगह पर फटना 2. खरा होने से दरकना 3. गठीली-लकड़ी का जलते समय "चिट-चिट" शब्द करना 4. चिढ़ना, चिड़चिड़ाना, बिगड़ना 5. शीशे आदि का फूटना 6. शुष्क होना, सूखना।

**चिटी स्त्री.** (तत्.) तंत्रविद्या के अनुसार चांडाल वेशधारिणी योगिनी जिसकी उपासना वशीकरण के लिए की जाती है।